

आधुनिक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणों के आधार पर मानसिक रोगों को व्यक्ति के व्यक्तित्व के संघटनाविक रूप कार्यपद्धति को विकार के रूप में समझा जाता है। यह विकार मुख्यतः मनो जनित होती है जो कि जैविक तथा सामाजिक कारणों से प्रभावित होती है और व्यक्ति को शारीरिक, क्रियात्मक, संज्ञानात्मक, पहचानों को असंतुलित कर देता है। फलस्वरूप, व्यक्ति और उसके वातावरण के बीच सामंजस्य नहीं हो पाता है।

मानसिक रोगों के प्रकार (Kinds of mental disorders)

मानसिक रोग मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं:-

1. मनःस्वाभाविक विकार (Psychoneurosis) :- मनःस्वाभाविक विकार का विकास अचानक नहीं होता, बल्कि इसका विकास क्रमिक रूप से होता है। इसमें व्यक्ति का विकास त्रुटिपूर्ण ढंग से होता है, जो अपोपेक्ववरा रूप व्यक्तित्व का विकार का सूचक होता है तथा जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तित्व के किंगेन रचनात्मक तत्व कमजोर हो जाते हैं।

मनःस्वाभाविक विकार या मनःस्वाप को जानने के लिए मनोवैज्ञानिकों द्वारा दो गई कुछ परिभाषाएँ विद्यमान हैं:-

(1) ब्राउन (Brown) के अनुसार, "मनःस्वाप का तात्पर्य शारीरिक, संवेगात्मक और क्रियात्मक प्रक्रियाओं का साधारण असमानताएँ हैं जो प्रायः व्यक्ति को कार्य करने में मानसिक रूप से अयोग्य बनाती हैं तथा जिनमें मौखिक गेहों का संभव"।

चिंता से रहना है।”

1) कोलेमन (Coleman) के अनुसार, “ मनःस्नाय का ग्राह्यमि ज्ञानात्मक संज्ञात्मक और विद्वान है जिसे व्यक्तित्व-चिन्ता चिन्ता के प्रति अनिश्चित परिहार, व्यवहार और मनोरन्धनाओं द्वारा होता है।”

2) शैविन और शैवरी के अनुसार, “ मनःस्नाय वह शैव है जिसमें व्यक्ति स्वतंत्र, सुरक्षा और ग्राह्य-समान और आनन्दपूर्ण गर् धर्मित भावा में अनुभूति नहीं कर पाता है। मनःस्नाय से पीड़ित व्यक्ति चिन्ता और आपराध्य आनन्द से भयन नहीं रह पाता है। वह इन आवनाओं से बचने के लिए सुरक्षात्मक प्रयास करता है। वह विविध विचारों, विभिन्न और व्यक्तित्व से युक्त होता है। मतः इसके विचारों को ग्रहण और स्थापना से सम्बन्धित सा संज्ञा है।”

3) “ मनोविज्ञान एक संज्ञान मानसिक शैव है, जिसमें ज्ञानात्मक आवात्मक सं संक्रियात्मक प्रक्रियाएं अनुमानित ही जाती हैं जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति का व्यक्तित्व पूर्ण रूप से विनष्ट या विकृत हो जाता है। तथा वास्तविकता से उनका संबंध नष्ट जाता है।”

4) प्रयुक्त परिभाषाओं के आकार पर हम यह स्थान है कि मनःस्नाय या मनःस्नायविकारि उन विभागी शैवी और कष्ट जाता है जिसे व्यक्ति के व्यक्तित्व में धर्म-सा विघ्न हो जाता है। मनःस्नाय व्यवहार वास्तविक जीवन से अलग तथा सम्बन्धित करने वाला नहीं होता है तथा इसके चिन्ता, असहजता और अपराध का कारण होती है।

1) Anxiety & Fearfulness  
 2) Irritability & Anger  
 3) Depression  
 4) Insomnia  
 5) Loss of interest in activities  
 6) Changes in appetite  
 7) Fatigue  
 8) Difficulty concentrating  
 9) Social withdrawal  
 10) Physical symptoms (headaches, chest pain, etc.)

1) Anxiety & Fearfulness :- 1) Excessive worry about everyday things.  
 2) Irritability & Anger :- 1) Feeling easily annoyed or angry.  
 3) Depression :- 1) Loss of interest in activities you once enjoyed.  
 4) Insomnia :- 1) Difficulty falling asleep or staying asleep.  
 5) Loss of interest in activities :- 1) Feeling that nothing is worth doing.  
 6) Changes in appetite :- 1) Eating much less than usual, or eating more than usual.  
 7) Fatigue :- 1) Feeling tired all the time.  
 8) Difficulty concentrating :- 1) Finding it hard to focus on what you're doing.  
 9) Social withdrawal :- 1) Spending more time alone than you would like.  
 10) Physical symptoms :- 1) Headaches, chest pain, stomach problems, etc.

1) Irritability & Anger :- 1) Feeling easily annoyed or angry.  
 2) Depression :- 1) Loss of interest in activities you once enjoyed.  
 3) Insomnia :- 1) Difficulty falling asleep or staying asleep.  
 4) Loss of interest in activities :- 1) Feeling that nothing is worth doing.  
 5) Changes in appetite :- 1) Eating much less than usual, or eating more than usual.  
 6) Fatigue :- 1) Feeling tired all the time.  
 7) Difficulty concentrating :- 1) Finding it hard to focus on what you're doing.  
 8) Social withdrawal :- 1) Spending more time alone than you would like.  
 9) Physical symptoms :- 1) Headaches, chest pain, stomach problems, etc.

1) Irritability & Anger :- 1) Feeling easily annoyed or angry.  
 2) Depression :- 1) Loss of interest in activities you once enjoyed.  
 3) Insomnia :- 1) Difficulty falling asleep or staying asleep.  
 4) Loss of interest in activities :- 1) Feeling that nothing is worth doing.  
 5) Changes in appetite :- 1) Eating much less than usual, or eating more than usual.  
 6) Fatigue :- 1) Feeling tired all the time.  
 7) Difficulty concentrating :- 1) Finding it hard to focus on what you're doing.  
 8) Social withdrawal :- 1) Spending more time alone than you would like.  
 9) Physical symptoms :- 1) Headaches, chest pain, stomach problems, etc.

Next day  
 Depth - Psychology  
 Hrishika Keshav

B. N. K. R. S. S.  
 Teacher's Signature